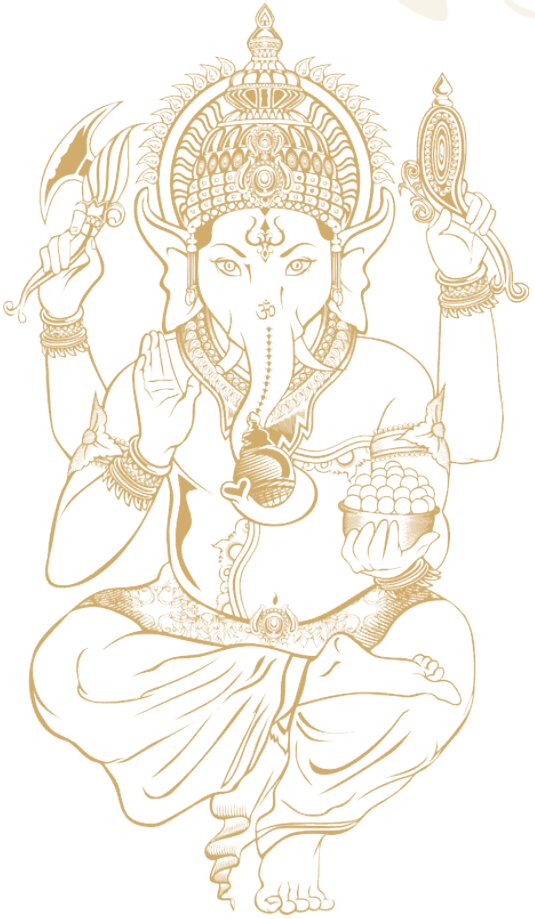

Keshav Mishra

23 Dec 2002

05:45 PM

Madhubani

Model: web-freekundliweb

Order No: 120849603

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**23/12/2002**
दिन	सोमवार
जन्म समय	**17:45:00 घंटे**
इष्ट	27:56:59 घटी
स्थान	**Madhubani**
राज्य	Bihar
देश	India

अक्षांश	26:27:00 उत्तर
रेखांश	85:08:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:10:32 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	17:55:32 घंटे
वेलान्तर	00:01:05 घंटे
साम्पातिक काल	00:03:01 घंटे
सूर्योदय	06:34:12 घंटे
सूर्यास्त	17:02:46 घंटे
दिनमान	10:28:34 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	07:35:28 धनु
लग्न के अंश	17:57:37 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**कर्क - चन्द्र**
नक्षत्र-चरण	**आश्लेषा - 2**
नक्षत्र स्वामी	बुध
योग	विष्कुम्भ
करण	बालव
गण	राक्षस
योनि	मार्जार
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	श्वान
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	डू-डूंगरमल
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मकर

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	17:57:37	318:02:26	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	सूर्य	---
सूर्य			धनु	07:35:28	01:01:06	मूल	3	19	गुरु	केतु	गुरु	मित्र राशि
चंद्र			कर्क	22:33:52	13:32:30	आश्लेषा	2	9	चंद्र	बुध	चंद्र	स्वराशि
मंगल			तुला	20:12:06	00:38:39	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	गुरु	सम राशि
बुध			धनु	27:05:55	01:13:09	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	सूर्य	सम राशि
गुरु	व		कर्क	23:37:14	00:03:40	आश्लेषा	3	9	चंद्र	बुध	मंगल	उच्च राशि
शुक्र			तुला	22:12:14	00:50:26	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	शनि	स्वराशि
शनि	व	अ	मिथु	01:13:47	00:04:54	मृगशिरा	3	5	बुध	मंगल	बुध	मित्र राशि
राहु	व		वृष	14:37:39	00:03:34	रोहिणी	2	4	शुक्र	चंद्र	गुरु	मित्र राशि
केतु	व		वृश्चि	14:37:39	00:03:34	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	राहु	मित्र राशि
हर्ष			कुंभ	02:00:57	00:02:20	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	केतु	---
नेप			मक	15:23:28	00:01:53	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	गुरु	---
प्लूटो			वृश्चि	24:04:22	00:02:15	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	मंगल	---
दशम भाव			मीन	06:55:16	--	उ०भाद्रपद	--	26	गुरु	शनि	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:53:40

लग्न-चलित

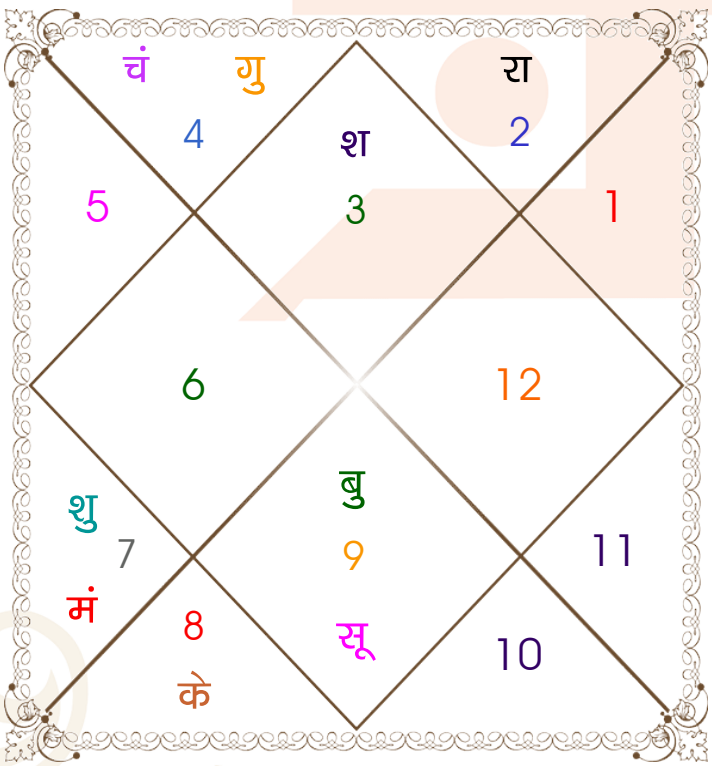

चन्द्र कुंडली

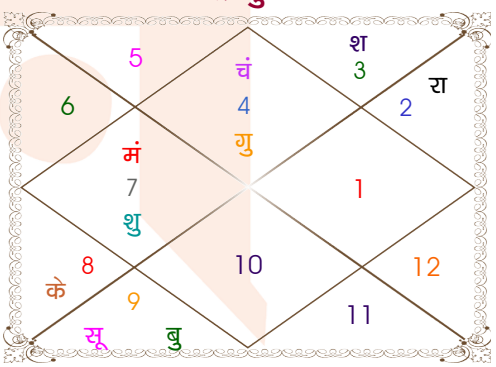

नवमांश कुंडली

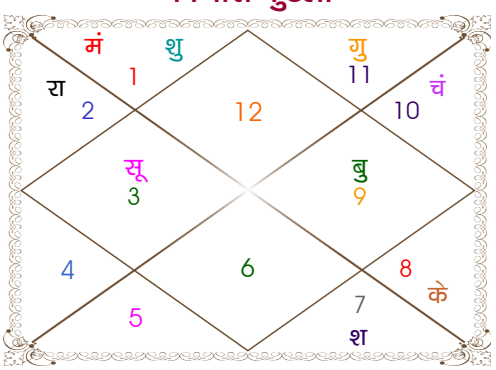

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : बुध 9 वर्ष 5 मास 23 दिन

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
23/12/2002		16/06/2012		17/06/2019		17/06/2039		16/06/2045	
16/06/2012		17/06/2019		17/06/2039		16/06/2045		17/06/2055	
	00/00/0000	केतु	12/11/2012	शुक्र	16/10/2022	सूर्य	04/10/2039	चंद्र	17/04/2046
	00/00/0000	शुक्र	12/01/2014	सूर्य	16/10/2023	चंद्र	04/04/2040	मंगल	16/11/2046
	00/00/0000	सूर्य	20/05/2014	चंद्र	16/06/2025	मंगल	10/08/2040	राहु	17/05/2048
	23/12/2002	चंद्र	19/12/2014	मंगल	16/08/2026	राहु	04/07/2041	गुरु	16/09/2049
चंद्र	16/12/2003	मंगल	17/05/2015	राहु	16/08/2029	गुरु	23/04/2042	शनि	17/04/2051
मंगल	13/12/2004	राहु	04/06/2016	गुरु	16/04/2032	शनि	05/04/2043	बुध	15/09/2052
राहु	02/07/2007	गुरु	11/05/2017	शनि	17/06/2035	बुध	09/02/2044	केतु	16/04/2053
गुरु	07/10/2009	शनि	20/06/2018	बुध	17/04/2038	केतु	16/06/2044	शुक्र	16/12/2054
शनि	16/06/2012	बुध	17/06/2019	केतु	17/06/2039	शुक्र	16/06/2045	सूर्य	17/06/2055

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
17/06/2055		16/06/2062		16/06/2080		16/06/2096		18/06/2115	
16/06/2062		16/06/2080		16/06/2096		18/06/2115		00/00/0000	
मंगल	13/11/2055	राहु	27/02/2065	गुरु	04/08/2082	शनि	20/06/2099	बुध	13/11/2117
राहु	30/11/2056	गुरु	23/07/2067	शनि	14/02/2085	बुध	28/02/2102	केतु	11/11/2118
गुरु	06/11/2057	शनि	29/05/2070	बुध	23/05/2087	केतु	09/04/2103	शुक्र	10/09/2121
शनि	16/12/2058	बुध	16/12/2072	केतु	28/04/2088	शुक्र	08/06/2106	सूर्य	18/07/2122
बुध	13/12/2059	केतु	03/01/2074	शुक्र	28/12/2090	सूर्य	21/05/2107	चंद्र	24/12/2122
केतु	10/05/2060	शुक्र	03/01/2077	सूर्य	16/10/2091	चंद्र	20/12/2108		00/00/0000
शुक्र	11/07/2061	सूर्य	28/11/2077	चंद्र	14/02/2093	मंगल	28/01/2110		00/00/0000
सूर्य	15/11/2061	चंद्र	29/05/2079	मंगल	21/01/2094	राहु	04/12/2112		00/00/0000
चंद्र	16/06/2062	मंगल	16/06/2080	राहु	16/06/2096	गुरु	18/06/2115		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल बुध 9 वर्ष 5 मा 12 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म आर्द्रा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में मिथुन लग्न के साथ-साथ मीन के नवमांश युक्त तुला द्रेष्काण में हुआ था। इसकी आकृति से यह स्पष्ट दिखाई देता है कि आप में असंख्य दुर्भावनाओं से युक्त विशेषताएं विद्यमान हैं। आप धार्मिक एवं तीर्थ स्थानों के पर्यटक होंगे। इन्हीं भावनाओं की सहायता से आपकी बहुरंजित अस्तित्व का अति विस्तार होगा। अन्य के सदृश आप में भी बहुत से सकारात्मक एवं नकारात्मक गुण विद्यमान हैं। जिसके फलस्वरूप आपको अपने जीवन के उद्धेश्य की प्राप्ति एवं सर्वविद्य संपन्नता प्राप्ति हेतु भगवान की कृपा बहुत दिनों तक सहायक होगा।

आप शारीरिक रूप से दीर्घकाय छरहरा बदन एवं आपकी आंखे आकर्षक हैं। यह प्रमाणित है कि आप विपरीति योनि के सदस्यों के प्रति प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे। अर्थात् कामुक की श्रेणी में आपका नाम होगा। आप स्वभावतः वासनामय कार्यों के अगुआ के रूप में मशहूर होंगे। यह कार्य आपके लिए व्ययकारी प्रमाणित होगा। अतः आप इस प्रकार की विचारधारा के प्रति विमुख हो जाएं अन्यथा यह प्रवृति आपके स्वास्थ्य तथा पारिवारिक जीवन हेतु प्रभावशाली तथा अनुपयुक्त होगा।

आप निसंदेह कुशग्र बुद्धि के स्पष्ट रूपेण महत्वकांक्षी हैं। यदि कोई आपके कार्यों में बाधा उत्पन्न करता है, तो स्थायी रूपेण आप व्यक्तिगत तौर पर उसके पीछे पड़ कर उसे परेशानी करने की प्रवृत्ति को प्रतिकूल नहीं कर पातें। आप एक कार्य को बदल कर अन्य पेशा-व्यवसाय की ओर प्रवृत हो जाते हैं तथा आशापूर्वक कार्यारंभ कर देते हैं। परंतु यह प्रमाणित हो सकता है कि आपके विरोध में उत्पादन क्षमता प्राप्त कोई अन्य व्यक्ति लाभ प्राप्त नहीं कर सकता है। आपके लिए यह उत्तम सबक के संबंध में सावधानी पूर्वक विचार करना चाहिए तथा इसके बाद गंभीरता पूर्वक अध्ययन परिवर्तित नया कार्य व्यवसाय को कार्य रूप देना चाहिए। तत्पश्चात् आपको परिष्कृत संतोषजनक लाभांश प्राप्त करना चाहिए।

परंतु मिथुन राशि लग्न के प्रभाव से आप बिना विराम लिए ही अबाध गति से परिणाम प्राप्त करने के आंकांक्षी हैं। तत्पश्चात् आप किसी कार्य व्यवसाय को नियतकर, अपनी योजना का श्री गणेश (शुभारंभ) कर के अति व्यग्रता पूर्वक शीघ्र ही कार्य का उपयुक्त परिणाम प्राप्त करना चाहते हैं।

आप अच्छी तरह यह जानते हैं कि ऐसा संभव नहीं है तथापि आप शीघ्र ही धन का उपयोग करते हैं। परिणामस्वरूप आप अनेकों कार्यों को अर्द्ध मात्रा में करके अन्य योजना के प्रति आशान्वित होते हैं। परिणामस्वरूप आप अपेक्षित लाभ नही प्राप्त कर पाते हैं। इस प्रकार की धारण को बिना परिवर्तित किए अन्य कोई मार्ग नही है तथा आप बिना एकाग्रता के मनोवांछित कर्म/व्यवसाय किसी भी प्रकार से हस्तगत नहीं कर सकते हैं। आपके लिए यह मंत्र ग्रहण करना नितांत आवश्यक है कि आप अपनी उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। अन्यथा आपको व्यक्तिगत रूप से मूर्खता करने का परिणाम भुगतना होगा। आप धैर्यपूर्वक पीछे से पुनः अपनी पूरी शक्ति का प्रयोग कर अपनी प्रभुता को कायम रखेंगे। इस प्रकार आपके शुभचिंतक एवं

मित्रगण आपको सहयोग देने अथवा उचित पुरस्कर प्रदान करने लगेगें।

आपकी आयुवृद्धि के अनुसार आपका स्वास्थ्य भी अनुकूल हो सकता है। आप, गले के संक्रमण, कफ, दमा गलगंड स्वरभंग रोगादि के प्रति उदासीन रहेंगे। अतः आप धुम्रपान की अपनी आदतों में बृद्धि न करें।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।

आपके लिए उपयुक्त अंक 5 एवं 7 अंक अनुकूल एवं प्रभावक अंक है। परंतु अंक 4 एवं 8 अंक आपके लिए अनुकूल नहीं, प्रतिकूल हैं।

आपके लिए रंग पीला, ब्लू बैंगनी एवं हरा रंग अनुकूल हैं। जबकि रंग काला एवं लाल रंग सर्वथा त्याजनीय हैं।